# हाई स्पीड रेल नेटवर्क से बनेगा नया आर्थिक कॉरिडोर

- **बिल्डरों ने शुरु की जमीन की तलाश**
- **आरआरटीएस स्टेशन के आसपास के इलाकों मे प्रॉपर्टी के दामों में होगी वृद्धि**

गुड़गांव, 22 दिसम्बर (ब्यूरो): एनसीआरटीएस ने हाईस्पीड रेल नेटवर्क का खाका बनाना शुरू कर दिया है, इसी के साथ गुड़गांव से लेकर राजस्थान सीमा तक कारोबारियों ने नए आर्थिक कॉरिडोर की संभावनाओं के तहत जमीनों की तलाश शुरू कर दी है।

माना जा रहा है कि आगामी 2022 तक इन हाईस्पीड रेलों के दौड़ते ही गुड़गांव के उद्योग जगत भी नई तेज गति पकड़ लेगा और प्रस्तावित स्टेशनों के आसपास नए सेक्टरों का होगा। उत्तरप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली को एकीकृत हाईस्पीड रेल नेटवर्क से जोड़ने के डीपीआर को केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। दिल्ली से गुड़गांव, अलवर, दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ व दिल्ली-सोनीपत-पानीपत इन तीनों कोरीडोरों में सर्वाधिक प्रॉपर्टी के दामों में बढ़ोत्तरी गुड़गांव में होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यह हाईस्पीड रेल 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी और यह तकरीबन आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों से होकर गुजरेगी जिसका फायदा नियमित दिल्ली से गुड़गांव और आसपास के क्षेत्रों में यात्रा करने वालों को होगा। गुड़गांव से मानेसर-धारुहेड़ा-बावल-अलवर, दिल्ली-गाजियाबाद और मेरठ की यात्रा चंद मिनटों में तय की जा सकेगी। इतना ही नहीं गुड़गांव के उद्योग विहार से नीमराना जाना की यात्रा करने वालों को सबसे तेज, सस्ता और आसान विकल्प उपलब्ध हो जाएगा। शहर की आंतरिक हिस्सों में लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी और इफको चौक, खिड़की दौला और राजीव चौक पर लगने वाला जाम हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। आरआरटीएस के तीनों कोरीडरों की तुलना मे दिल्ली-गुड़गांव-अलवर रूट पर यात्रियों की संख्या सबसे अधिक होगी।

> आधारभूत संरचना में इस साल तेजी से विकास हुआ है। आगामी दो साल में रैपिड रेल प्रोजेक्ट पूरा होने जा रहा है जिससे रियल एस्टेट बाजार में काफी उछाल आएगा। केजीपी, केएमपी और एफएनजी के विस्तार से दिल्ली एनसीआर शहरों में और साथ ही कुंडली और सोनीपत जैसे शहरों में भी औद्योगिक विकास को नई उड़ान मिलेगी।
>
> *-कमल तनेजा, एमडी, टीडीआई इन्फ्राकोर्प*

> आरआरटीएस के आने से गुड़गांव में कनेक्टिवटी तेजी से बढ़ेगी। धारुहेड़ा, नीमराणा और मानेसर से दिल्ली पहुंचना मिनटों का खेल हो जाएगा। स्टेशन के आसपास निसंदेह रियल एस्टेट में निवेश तेजी से होगा और घर खरीददारों को नया विकल्प मिलेगा।
>
> *आशीष सरीन*
> *निदेशक, अल्फाकार्प*